[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥

[illegible] पादुके [illegible] ॥ [illegible]

श्रीमद्देवी[illegible] पादुका ॥ पादुकाभिः [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ पादु[illegible]

[illegible]

वि॰ पं॰ ११ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

(४)

तस्मात् || उपस्थितिमिमां [illegible] महालक्ष्मीमेव [illegible] ||
[illegible] उपमेति [illegible] || [illegible]
उपमा [illegible] महालक्ष्मीः || [illegible]
[illegible] || [illegible] ||
[illegible] महालक्ष्मी [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]

वि॰ पु॰ ३०

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

यं श्रीं भवं लं दे मे दक्षिणे ममा ॥ मंॢं क्लिं म्रुं यीं ल्क्लीं हस्ख्फ्रें मम वद-
नं मम भ्रु वद हस्ख्फ्रें ल्क्लीं भगवत्या मित्री ॥ यं हूं क्लिं हूं क्रूं गां गौं स्फ्र-
ह्रें वि ह्रीं यं धमघम दमा ॥ य भ्रु त्वं मम विमतय त्वव ह्रीं ठं वम ः
म्रियः मत्त्व उप सि ग्रु मि ल्क्ली उव भ मे गठे ॥ कङ्ग मे त्व धूमः म्रू म्रः
म ङ्क्रु उक्ष्म भय भमि ॥ मम त्व रुप गा ह्रें ध क्रु म भ्र म स्त्रदे ॥ हस्ख्फ्रें
ध्मी दि म गय मे धा ङ्ग्रु पगय ॥ म त्रि म्र उ भ्र फ्रें त्व मे विग्र म्र ह्रं दे

वि. पृ.
३४

(10)

ण्याय नमः पद्मै नमः लक्ष्म्यै नमः गन्धर्वाय नमः कुम्भाण्डाय नमः
उपमर्षाय नमः मेघाय नमः [illegible]याय नमः सत्त्वरूपाय नमः
भूर्लोकाय नमः भुवर्लोकाय नमः स्वर्लोकाय नमः महर्लोक
ाय नमः जनर्लोकाय नमः तपोलोकाय नमः सत्यलोकाय न
मः भूर्भुवःस्वर्लोकाय नमः त्रैलोक्याय नमः पञ्चविंशाय नमः
सप्तविंशाय नमः सप्तविंशाय नमः सप्तद्वीपाय नमः द्वीपाय

वि॰ पु॰
३३

षष्ठं नमः ॐॐः षसषमन्त्रेण लक्ष्मीमन्त्रेणकट ॐह्रीं ह्रौं पञ्चमं
पं सिद्धविनायकाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं गजकर्णकाय नमः
पञ्चमीं श्रीं विघ्नाय नमः ॐ ऐं मदनकालाय नमः हिमाङ्गं वैनाय
नमः स्फोटकालान्तकाय नमः ऐं हं पद्मनाभाय नमः वक्र
हुं वमनाय नमः गणेशभूताय नमः सूर्यकोटिकाशाय नमः
महोत्कटाय नमः स्कन्दाय नमः स्कन्दाय नमः गणेशाय नमः पा।

[illegible]

नि प्रचोदयात् स्वाहा ॥ यस्मात् [illegible] भवन्ति [illegible]
यो ॥ स्वाहा ॥ यस्मै [illegible] स्त्रि [illegible] य विश्व [illegible]
[illegible] मं विश्व [illegible] ॥ [illegible] इति पाद
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ओं य [illegible] भुवः ॥ ओं त्रि
वषट् ॥ ओं यज्ञं [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] शिवाय हूं: भूर्भुवं नमः ॐ ह्रूं शिवाय हूं: भुवं नमः [illegible]
नमः ॐ ह्रूं शिवाय हूं: वौं नमः ॐ ह्रां शिवाय नमः [illegible]
[illegible] न्यूनातिरिक्तविधिः सर्वः परिपूर्णो भवतु । ॐ सकलमन्त्रेश्वराधिपतये हूं: [illegible]
[illegible] ॐ सकलमन्त्रेश्वर [illegible] [illegible]
[illegible] समस्त [illegible] परि [illegible]
[illegible] शिवाय [illegible]

धति क
त्वयमि

मनमःष्ठशिवयल्लंनशिवरूहभुशिवरूह्रेगल्लिमि भगवतेवंशि
वाय रुद्रशिपादुकायनशिवरूहें मदगल्लपदये रुद्रशिहु सी
पौंनमः शिवहुहृमविडः धूमावर्तिचैहृहंपश्लिदमुहें भगव
देव भुशिवायपादुकायनशिवरूहः सम्मंनमः कुंनमः ह्रक्ष
नमम्लंनमः द्मुक्षशिवदिडंधननम्रकुक्षमश्रुगड पछिमसमगा
शमडमा ल्लीविमममनशमडं भगवतेव भुशिवाय रुद्रशिपादु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
वि· [illegible]
पु·
१८

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆲𑆱𑆷𑆖𑆴𑆠𑆳 𑇆 𑆓 𑇆 𑆎𑆀 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑆂 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆂 𑆱𑇀𑆑𑆶𑆬𑆥𑇀𑆫𑆳𑆩𑆂 𑆥𑆴
𑆫𑆑𑆱𑇀𑆪𑆳 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆂 𑆥𑆯𑆶𑆥𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵𑆠𑆩𑆢𑆼𑆮𑆂 𑆎𑆀 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆱𑆩𑆳 𑇆
𑆮𑆴𑆢𑆼 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆢𑆁 𑆩𑆂 𑆑𑆳𑆪𑆪𑆤𑆩𑆂 𑇆 𑆎𑆀 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆴𑆯𑇀𑆫 𑆱𑇀𑆑𑆶𑆟𑇀𑆝𑆁 𑆣
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆩𑆳𑆩𑆪𑆳𑆪 𑆩𑆁 𑆩𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶 𑇆 𑆎𑆀 𑆩𑆢𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆎𑆀 𑆯𑇀𑆫𑆵
𑇕𑇕 𑆬𑆴𑆓𑇀𑆓𑆩𑆝𑇀𑆝𑆶𑆫𑆁 𑆮𑆴𑆟𑆳𑆪 𑆱𑇀𑆮𑆥𑆳𑆝𑆂 𑆥𑆵𑆤𑆾 𑆩𑆁 𑆩𑆶𑆱𑇀𑆠𑆶 𑇆 𑆎𑆀
𑆩𑆱𑇀𑆮𑆼𑆩𑆂 𑆎𑆀 𑆲𑇀𑆫𑆳𑆁 𑆝𑇀𑆝𑆮𑆩𑆥𑆳𑆬𑆴 𑆮𑆴𑆟𑆳𑆪 𑇆 𑆥𑆵𑆩𑆾𑆝

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

द॥ मभॐवैषट्‌ ममभरुभाप: पृ: पृलैवयष
मरभपदुये॥ॐहृरेभहुँ लिङ्गभैपरिर्दुहु॥कवं
विट्च्॥ पेमुलप यरभॐहवफाभ॥ वित्रवफ
यभृहुंदेभीत्रंपचडीपडिभ॥ कायठभरमकुंत्रा
गम्रकुपिडभ॥ धीयडंयलभामहर्धुकुयभ्रम
भम॥ मन्त्रवलूभदडेप:सुन्त्रभगमकुपिड:॥गलिं

पडि
५

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
𑇕𑇕 [illegible]
[illegible]

५

य नमः उल्कामुखि हुं फट् ॥ ॐ शिरसि मकुटे भिषेकाय

नमः महामुखि हुं फट् ॥ ॐ ललाटे मकुटे भिषेकाय नमः

ज्वालामुखि हुं फट् ॥ ॐ शिरसि मकुटे भिषेकाय नमः करा

लमुखि हुं फट् ॥ ॐ कण्ठे मकुटे भिषेकाय नमः कराल

मुखि हुं फट् ॥ उड्डियानपीठं नमः ॥ सप्तपञ्चक्षेत्राय नमः

हिं हिं हिं हुं नमः मण्डलाय भिषेकाय नमः ॥ हृदयाय नमः ॥

वि॰ प्र॰
१५

ॐ भवत्काग्निज्वालामते भगवते नमः। मस्तके स्वाहा॥ ॐ शिखामल
धूमकेतवे भगवते नमः। शिखायै वषट्॥ ॐ भवत्काग्निमकु
टये भगवते नमः। कवचाय हुम्॥ ॐ शिखाक्षमकुटये भगव
ते नमः। नेत्रेभ्यो वौषट्॥ ॐ अस्त्रमकुटये भगवते नमः। अ
स्त्राय फट्॥ भक्ष्यन्यायरंदेवं ठगवर्तुं भरिकाम॥ ह
येकुलडर्मूलेभभामीरंभद्भय॥ ॥ कुरुकुल्ले

पृ५

𑆓𑆑𑆶𑆟𑇀𑆝𑆴𑆬𑆂 𑇆 𑆪𑆮𑆑𑇀𑆰𑆵𑆘𑆴𑆲𑇀𑆩𑆱𑆚𑇀𑆖𑆫𑆨𑆶𑆘𑆕𑇀𑆓𑆩𑆑𑆬𑆩𑆑𑆶𑆫𑆂 𑇆 𑆥𑆳𑆠𑇀𑆫𑆩𑆠𑆁
𑆥𑆳𑆠𑇀𑆫𑆓𑆲𑇀𑆤𑆑𑆧𑇀𑆫𑆼𑆣𑆴𑆑𑆴𑆯𑇀𑆫𑆶𑆔 𑇆 𑇐𑆑𑆴𑆁𑆱𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆤𑆴𑆓𑆲𑇀𑆫𑆴𑆲𑇀𑆫𑆨𑆨𑆳
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆝𑆨𑆳 𑇆 𑆈𑆠𑇀𑆠𑆝𑇀𑆩𑆼𑆮𑆑𑆬𑇀𑆬𑆥𑆱𑆩𑆨𑇀𑆫𑆢𑇀𑆫𑆮𑆥𑆼𑆁𑆮𑆴𑆱𑆲𑆼𑆁𑆱𑆷𑆔𑆪 𑇅 𑆤𑆔𑆮
𑆪𑆨𑆳𑆦𑆴𑆛𑆯𑇀𑆫𑆷𑆝𑆝𑆮𑆤𑆓𑆳𑆼𑆥𑆑𑆴𑆝𑆪𑆯𑇀𑆫𑆸𑆨 𑇆 𑆥𑆪𑆂 𑇆 𑆥𑆪𑆂𑆥𑆧𑇀𑆫𑆴𑆲𑆁𑆥𑆪
𑆠𑇀𑆫𑆔𑆟𑆵𑆯𑇀𑆫𑆥𑆁𑆪𑆼𑆑𑆴𑆲𑇀𑆮𑆠𑇀𑆫𑆩𑆴𑆓𑇀𑆮𑆳𑆥𑆪𑆾𑆲𑆂 𑆥𑆪𑆯𑇀𑆫𑆵𑆂 𑆥𑆶𑆑𑆴𑆱𑆂𑆨𑆠𑇀𑆫𑆱𑆲𑇀𑆫𑆨𑆳 𑇅 𑆱
𑆮𑆴𑇅 𑆥𑇀𑆫𑇅 𑇑𑇕 𑆟𑆴 𑇆 𑆱𑆟𑆴𑆲𑇀𑆤𑆷𑆲𑇀𑆬𑆼𑆥𑆑𑆓𑆴𑆔𑆑𑇀𑆬𑆴𑆲𑇀𑆬𑆼𑆓𑆱𑇀𑆫𑆶𑆯𑇀𑆫𑆶𑆮𑆬𑆴𑆤𑆂 𑇆 𑆨𑆓𑆑𑆴𑆠𑆼𑆨𑆳𑆥𑆳𑆱𑇀𑆑𑆳

भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ हृषिपाद्र्यतनमेवरहः ॥ श्रुतमस्त्रीयं नमः
यद्भगषिल ॐ ऋमसप ॥ ॐ त्रिसत्रुप्रनीयं ॥ पद्भगषेल्लदविधमेवाय
ॐ ह्रसत्रुत ॥ वमेत्रेपसृमीमह्रुंगीम्म ॐ फ्रःसरद्भविः ॥ ॐ ऋमसपः
मवदतयद्धि ह्रिद्भिह्म त्रिंसद्रि ॥ यद्धमधिक्ते ह्रदयद्ग मेपतततंतत
मा ॥ भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ हृषिपाद्र्यतनमेवरहः सत्रुप्रनीयं
नमः ॥ ततः एकविंशति नवि ॥ त्रिपयेमपियतत्यो ह्रलह्रमित्र

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वि. पु. ५७

[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible]

[illegible]